कुछ मजेदार शायरी

१. दूर से देखा तो कुछ दिखा नहीं
दूर से देखा तो कुछ दिखा नहीं
पास जाकर देखा तो कुछ था ही नहीं ।।

२. दूर से देखा तो शेर था
दूर से देखा तो शेर था
इसलिए पास गया ही नहीं ।।

३. मैं तेरे प्यार में पागल हुआ छलिए
मैं तेरे प्यार में पागल हुआ छलिए
आयोडेक्स मलिए, काम पर चलिए ।।

४. तुम हर रात मेरे ख्वाब में आओ,
तुम हर रात मुझे यूँ ही सताओ
मेलोडी खाओ खुद जान जाओ ।।

५. खुद को कर बुलन्द इतना.....
कि हिमालय की चोटी पे जा पहुँचे,
और खुदा तुमसे पूछे
'अब्बे गधे... अब उतरेगा कैसे ?'

६. मत पी शराब गालिब मस्जिद में बैठकर,
एक ही बोतल है, कहीं खुदा ने मांग ली ।

७. मैंने तुमसे प्यार किया, तेरे बाप ने मुझे पीटा
मैंने तुमसे प्यार किया, तेरे बाप ने मुझे पीटा
तन की शक्ति, मन की शक्ति, बॉर्नवीटा ।

मानसी दत्ता
२८० (फ.फ.), आई पी. कालोनी
फरीदाबाद

पहेलियाँ

१. प्रथम काटो पड़ा रहे,
अन्त काटो प्याला बने ।

२. कड़वा सा पत्ता हूँ,
फिर भी बहुत अच्छा हूँ ।

३. प्रथम काटो जंगल बने,
अंत काटो प्राणी बने ।

४. जानवरों में नहीं मैं राजा,
फिर भी भागता सबसे तेज ।

५. पहले भाग में बर्फ हूँ,
दूसरे भाग में घर,
फिर भी भारत का सर ताज हूँ ।

६. हवन की लकड़ी हूँ ।

उत्तर : १. कपड़ा, २. नीम, ३. जीवन, ४. चीता, ५. हिमालय, ६. समिधा

सोहम दास
१२८ (फ फ), आई.पी. कालोनी
फरीदाबाद